

संकेतित वि. (तत्.) 1. ठहराया हुआ 2. मिलकर नियमानुसार निर्धारित 3. आमंत्रित 4. बुलाया हुआ 5. संकेत के रूप में लाया हुआ 6. संकेत से व्यक्त।

संकोच पुं. (तत्.) 1. वह मानसिक स्थिति जिसमें भय या लज्जा अथवा साहस के अभाव के कारण कुछ करने को मन नहीं करता 2. त्रास 3. भय 4. सिकुड़ना 5. शिकन पड़ना 6. असमंजस 7. साहित्य में एक प्रकार का अलंकार जिसमें किसी वस्तु का अतिशय संकोच पूर्वक वर्णन किया जाता है 8. एक प्रकार की मछली।

संकोचन पुं. (तत्.) सिकुड़ने या सिकोड़ने की क्रिया या भाव।

संकोचित पुं. (तत्.) 1. संकोच युक्त, जिसमें संकोच हुआ हो, 2. लज्जित 3. शर्मिंदा पु. तलवार चलाने का एक ढंग।

संकोची वि. (तत्.) 1. संकोच करने वाला, संकोचशील, जिसे स्वभावतः संकोच होता हो 2. शर्मने वाला 3. झिझकने वाला 4. सिकुड़ने वाला।

संकोरक पुं. (तत्.) प्रा.वि. वह भ्रूणीय झिल्ली जो अंतश्चर्म तथा मध्यश्चर्म दोनों में विकसित होती है। coenoblast

संकोशिका पुं. (तत्.) भित्ति विभाजन के बिना केंद्रक विभाजन की पुनरावृत्ति के फलस्वरूप बनने वाली कोशिका की बहुकेंद्रकी अवस्था।

संक्रंदन पुं. (तत्.) 1. शक्र 2. इंद्र 3. पुराणानुसार भौत्य मनु का एक पुत्र 4. श्रीकृष्ण का नाम।

संक्रमण पुं. (तत्.) 1. एक स्थान से दूसरे स्थान पर गमन 2. आगे की ओर चलना या बढ़ना 3. अतिक्रमण 4. लाँघना 5. घूमना-फिरना 6. एक अवस्था से धीरे-धीरे बदलते हुए दूसरी अवस्था में पहुँचना 7. एक के अधिकार से दूसरे के अधिकार में जाना 8. सूर्य का एक राशि से निकलकर दूसरी राशि में प्रवेश करना 9. सूर्य का उत्तराण में प्रवेश करने का दिन 10. संगमन 11. सहमति 12. रोग उत्पन्न करने वाले जीवों द्वारा शरीर पर आक्रमण।

संक्रमण-काल पुं. (तत्.) वह समय जब कोई पहले रूप से बदलकर दूसरे रूप में आ रहा हो।

संक्रमण-नाशक वि. (तत्.) रोग के संक्रमण से बचाने या मुक्त करने वाला। disinfectant

संक्रमित वि. (तत्.) 1. जिसमें या जिसका संक्रमण हुआ हो 2. किसी में युक्त या सम्मिलित किया हुआ 3. किसी के अंदर प्रविष्ट किया हुआ 4. परिवर्तित किया या बदला हुआ।

संक्रमिता वि. (तत्.) 1. संक्रमण करने वाला 2. गमन करने वाला 3. प्रवेश करने वाला।

संक्रांत पुं. (तत्.) दायभाग के अनुसार वह धन जो कई पीढ़ियों से चला आ रहा हो टि. 1. वह शरीर जिस पर रोग उत्पन्न करने वाले जीवों द्वारा आक्रमण हुआ हो 2. परिवर्तित 3. बदला हुआ 4. प्रविष्ट।

संक्रांति स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना 2. स्थानांतरण 3. अवस्थांतर 4. वह दिन जिसमें सूर्य का उक्त प्रकार का संचार होता है 5. अपना ज्ञान दूसरों तक हस्तांतरित करना 6. विद्यादान की शक्ति 7. प्रतिमा 8. प्रतिबिंब।

संक्रामक वि. (तत्.) 1. वह रोग जो या तो रोगी के संसर्ग से या हवा पानी आदि के द्वारा भी उत्पन्न होता अथवा फैलता हो 2. संक्रमण करने वाला।

संक्रोश पुं. (तत्.) जोर से शोर करना, चिल्लाना।

संक्षारण पुं. (तत्.) हवा या पानी आदि की उपस्थिति में किसी रासायनिक प्रतिक्रिया के फलस्वरूप धातु की ऊपरी सतह का झड़ना या नष्ट होना क्षार आदि की उत्पत्ति या रोग के कारण किसी पदार्थ का धीरे-धीरे क्षीण होकर नष्ट होना जैसे-लोहे पर जंग लगने से उसकी उपरी सतह का नष्ट होना। corrosion

संक्षिप्त पुं. (तत्.) शब्द या पद का संक्षिप्त रूप या संकेत चिह्न abbreviation 2. वि. (तत्.) 1. जो थोड़े शब्दों में कहा गया हो 2. लेख, पुस्तक आदि का वह रूप जो कुछ बातें कम करे, छोटा